

## अङ्क-योजना (Marking Scheme)

आदर्श-प्रश्न-पत्रम् -2017

संस्कृतम् {केन्द्रिकम्}

XII (Sanskrit Core)

### कृपया ध्यान दीजिए –

1. कुछ प्रश्नों के उत्तर विकल्पात्मक भी हो सकते हैं। इस अङ्क-योजना में दिए गए उत्तर निर्दर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी सन्दर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएँ।
2. अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, इसके लिए भी अङ्क दिए जाए। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अङ्क काटे जाएँ सम्पूर्ण नहीं।
3. त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अङ्क काटे जाएँ न कि पूरे अङ्क।
4. आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अङ्क अवश्य दिए जाएँ।
5. खण्ड –‘ग’ में (अनुप्रयुक्त व्याकरण) के अन्तर्गत प्रश्न सं० 5 में कर्तृ-किया अन्विति व विशेषण-विशेष्य में विकल्प समझा जाए। बच्चों ने जो भाग भी किया हो अङ्क दिया जाएँ। वाक्य संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौन्दर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अङ्क दिए जाएँ।

### सङ्केतात्मक उत्तर व अङ्क विभाजन

**खण्ड : क (SECTION A)**

**अपठितांश - अवबोधनम्**

### UNSEEN READING COMPREHENSION

**1.**

|                          |   |                            |
|--------------------------|---|----------------------------|
| अ एकपदेन उत्तरत          | (प्रत्येक भाग के लिए $\frac{1}{2}$ अङ्क ) | $\frac{1}{2} \times 4 = 2$ |
| (i) स्वकार्यस्थलम्       |   |                            |
| (ii) अतिथिवत् / श्रद्धया |   |                            |
| (iii) सावधानता           |   |                            |
| (iv) शीघ्रताम्           |   |                            |

|  |                               |                  |
|--|-------------------------------|------------------|
| ब पूर्णवाक्येन लिखत  | (प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क ) | $1 \times 2 = 2$ |
| (i) लोकयानेषु चालकाः परिचालकाश्च ‘अतिथिदेवो भव’ इति भारतीयपरम्परां सुष्ठुतया परिपालयन्ति । |                               |                  |
| (ii) अधिकाधिकानि चिटिकापत्राणि तु विक्रीतानि स्युः एव इत्येतत् चालकानां मनस्सु वर्तते ।    |                               |                  |

|                       |                               |                  |
|-----------------------|-------------------------------|------------------|
| स यथानिर्देशम् उत्तरत | (प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क ) | $1 \times 4 = 4$ |
| (i) यातनाप्रदम्       |                               |                  |
| (ii) यात्रिणः         |                               |                  |
| (iii) एतावतीम्        |                               |                  |
| (iv) अवतरणसमये        |                               |                  |

**द वञ्चकाः चालकाः / लोकयान-यात्रा / वञ्चकाः परिचालकाः (अन्य शीर्षक भी सही हो सकते हैं।) 2**

## खण्ड : ख (SECTION B)

### संस्कृतेन रचनात्मककार्यम्

#### SANSKRIT WRITING SKILLS

15 Marks

|   |                                      |                      |             |   |
|---|--------------------------------------|----------------------|-------------|---|
| <b>2. पत्रलेखनम्</b>  | <b>(प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क )</b> |                      |             | <b>5</b>                                      |
| (1) चेन्नैः   | (2) पितृमहाभागाः !                   | (3) निवेदयामि        |             |   |
| (4) उत्तरपत्राणि  | (5) ग्रीष्मावकाशे                    | (6) शैक्षिकयात्रायाः |             |   |
| (7) पञ्चसहस्रम्   | (8) जनन्यै                           | (9) प्रियपुत्रः      |             |   |
| (10) नवदेहली  |                                      |                      |             |   |
| <b>3. कथा-पूर्तिः</b>   | <b>(प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क )</b> |                      |             | <b><math>\frac{1}{2} \times 10 = 5</math></b> |
| (1) जम्बूकः   | (2) अटव्याम्                         | (3) अनेकानि          | (4) गन्धः   |   |
| (5) द्राक्षाफलैः  | (6) लब्धुम्                          | (7) उदपतत्           | (8) अदूषयत् |   |
| (9) आस्थानि   | (10) दूरम्                           |                      |             |   |
| <b>4. अनुच्छेदलेखनम्</b>  | <b>(प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क )</b> |                      |             | <b>5</b>                                      |
| बच्चों से सरल वाक्य रचना अपेक्षित है। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं है। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अङ्क दिए जाएँ। मञ्जूषा में दिए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं – आवश्यक नहीं। वे स्वयं के शब्दों का प्रयोग कर वाक्य निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि बदल सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएँ। त्रुटियों के अङ्क अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही 5अङ्क दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अङ्क है। |                                      |                      |             |   |

## खण्ड : ग (SECTION - C)

### अनुप्रयुक्तव्याकरणम्

#### APPLIED GRAMMAR 30 Marks (30 अङ्काः)

|                                |                                      |                         |  |                                    |
|--------------------------------|--------------------------------------|-------------------------|--|------------------------------------|
| <b>5. सन्धिच्छेदः</b>          | <b>(प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क )</b> |                         |  | <b><math>1 \times 6 = 6</math></b> |
| (i) भवतु + अधुना               | (ii) तव + औदार्यम्                   | (iii) एतत् + ज्ञात्वा   |  |                                    |
| (iv) वाक् + देवी               | (v) पुनः + अत्र                      | (vi) बालाः + अत्र       |  |                                    |
| <b>6. समस्तपदानां विग्रहाः</b> | <b>(प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क )</b> |                         |  | <b><math>1 \times 6 = 6</math></b> |
| (i) गवे हितम्                  | (ii) पाणी च पादौ च                   | (iii) मक्षिकाणाम् अभावः |  |                                    |
| (iv) सप्तानाम् अहां समाहारः    | (v) विशाले अक्षिणी यस्य सः           | (vi) प्रियं वदति इति    |  |                                    |
| <b>7. प्रकृति- प्रत्यय</b>     | <b>(प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क )</b> |                         |  | <b><math>1 \times 8 = 8</math></b> |
| (i) शृणवत्यः                   | (ii) अधिकारिणी                       | (iii) स्नातः            |  |                                    |
| (iv) मूर्खताम्                 | (v) निशम्य                           | (vi) प्रगतिम्           |  |                                    |
| (vii) आरोढुम्                  | (viii) सोढव्यानि                     |                         |  |                                    |

|   |                              |                       |
|---|------------------------------|-----------------------|
| 8. कर्तृक्रिया - अन्वितः  | (प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक ) | 1×5=5                 |
| (i) स्निद्धिति  | (ii) अगृह्णन्                | (iii) जानीयात्        |
| (iv) प्रेषिताः  | (v) तनुमः                    |                       |
| <b>अथवा / OR</b>  |                              |                       |
| <b>विशेष्य - विशेषण</b>   |                              |                       |
| (i) स्वच्छम्  | (ii) भगवतो                   | (iii) प्रासादाधिकृताः |
| (iv) ध्वलाः   | (v) शोभनानाम्                |                       |
| 9. उपपदविभक्तिः   | (प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक ) | 1×5=5                 |
| (i) सूर्यम्   | (ii) मया                     | (iii) सन्तापेन        |
| (iv) सभाभ्यः / सभायै  | (v) भूमेः / भूम्याः          |                       |
| 10. क. गद्यम्   |                              | (5)                   |
| अ. एकपदेन उत्तरत ।  |                              |                       |
| i. भारतीयवैज्ञानिकानाम्   |                              | ½                     |
| ii. प्रतिघ्वन्यात्मकाः  |                              | ½                     |
| ब. पूर्णवाक्येन उत्तरत ।  |                              |                       |
| दिल्लीस्थ – लौहस्तम्भः विकृतिं विना तथैव तिष्ठति ।                |                              | 1                     |
| स. निर्देशानुसारम् उत्तरत ।                                       |                              |                       |
| i. 'कम्पमानाः'  |                              | ½                     |
| ii. देवालये   |                              | ½                     |
| iii. प्रियबान्धवाः  |                              | 1                     |
| iv. वर्णयन्ति   |                              | 1                     |
| ख. पद्यम्   |                              | (5)                   |
| अ. एकपदेन उत्तरत  |                              |                       |
| i. पुरुषस्य   |                              | ½                     |
| ii. चतुर्भिः  |                              | ½                     |
| ब. पूर्णवाक्येन उत्तरत ।  |                              |                       |
| निर्घण – छेदन – ताप – ताडनैः चतुर्भिः प्रकारकैः कनकं परीक्ष्यते । |                              | 1                     |
| स. निर्देशानुसारम् उत्तरत   |                              |                       |
| i. कनकम्  |                              | ½                     |
| ii. त्यागेन   |                              | ½                     |
| iii. चतुर्भीः   |                              | 1                     |
| iv. परीक्ष्यते  |                              | 1                     |
| ग. नाट्यांश   |                              | (5)                   |

|   |                                |            |
|---|--------------------------------|------------|
| <b>अ. एकपदेन उत्तरत ।</b>   |                                |            |
| i. कौमुदीमहोत्सवस्य   | ½                              |            |
| ii. राजा / चन्द्रगुप्त  | ½                              |            |
| <b>ब. पूर्णवाक्येन उत्तरत ।</b>   |                                |            |
| राजा सक्रोधम् वदति यत् आर्येण एव सर्वत्र निरुद्धचेष्टस्य मे बन्धनम् इव राज्यं, न राज्यम् इव ।   | 1                              |            |
| <b>स. निर्देशानुसारम् उत्तरत ।</b>  |                                |            |
| i. 'मलयकेतु'  | ½                              |            |
| ii. 'राज्ञाम्'  | ½                              |            |
| iii. 'चाणक्य'   | 1                              |            |
| iv. 'कालः/व्यायामकालः'  | 1                              |            |
| <b>11. यथानिर्देशं प्रश्नद्वयम् उत्तरत</b>  |                                | <b>(4)</b> |
| i. 'सूर्यः एवप्रकृतेः आधारः' अयं पाठः 'शिवराजविजय' इति ग्रन्थात् उद्धृतः<br>'अस्मिकादत्तव्यासमहोदयेन' च लिखितः ।  | 2                              |            |
| iii. 'दानं श्रेयस्करम्' इति प्रत्ययादेवममार्थाः क्षीणाः जाताः ।..... इयं पंक्तिः<br>चारुदत्तेन विदूषकं प्रति कथिता ।  | 2                              |            |
| <b>12. अधोलिखित-पद्यांशस्य भावार्थम् उचितविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत ।</b>  |                                | <b>(4)</b> |
| <b>अ. उत्तिष्ठत, जाग्रत, प्राप्य वरान्निबोधत ।</b>  |                                |            |
| यूयं ज्ञानं प्राप्तुं तत्पराः उद्यताः भवत ।   |                                |            |
| <b>आ. सत्यमेव जयति नानृतम् ।</b>  |                                |            |
| सर्वदा सत्यस्य जयः भवति, असत्यस्य न ।   |                                |            |
| <b>अथवा</b>   |                                |            |
| अधोलिखितस्य पद्यस्य प्रदत्तं भावार्थं मञ्जूषाप्रदत्तपदैः पूरयित्वा पुनः लिखत ।  |                                |            |
| यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानुपश्यति, सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते ॥  |                                |            |
| <b>भावार्थः :</b>   |                                |            |
| यः.... <u>मनुष्यः</u> ....सर्वान्नाणवतः जनान्स्वकीये ... हृदये.....पश्यति, सर्वान् ..... <u>आत्मवत्</u> .....पश्यति,<br>सर्वेजनाः मत्सदृशाः एव, सर्वेषु स एवआत्माविराजते यः मयिइतियदाज्ञानंभवति, तत्पश्चात् सः केनापिसह ...<br>घृणां.....कर्तुं न शक्नोति, सर्वेषांरक्षणेपरोपकरणे च उद्यतः भवति । |                                |            |
| मञ्जूषा   | आत्मवत्, मनुष्यः, घृणां, हृदये | -          |

- 13. अधोलिखितश्लोकद्वयस्य प्रदत्तान्वये मञ्जूषातः उचितपदैः रिक्तस्थानपूर्ति कृत्वा अन्वयं पुनः लिखत ।**  
निम्नलिखित दो श्लोकों के लिए दिए गए अन्वयों में मञ्जूषा के पदों से रिक्तस्थानों की पूर्ति कर अन्वय को पुनः लिखिए ।
- The prose order renderings of the following two verses have been given below :

½ \*8=4

Fill in the blanks from the words given in the box and rewrite the same

I. अशक्तैर्बलिनः शत्रोः कर्तव्यं प्रपलाययनम् ।  
आश्रितव्योऽथवादुर्गः नान्या तेषां गतिर्भवेत् ॥

अन्वयः - अशक्तैः ... बलिनः ..... शत्रोः पलायनं ... कर्तव्यम् ... अथवा दुर्गः ... आश्रितव्य... । तेषाम् ... नान्या....गतिः न भवेत् ।

II. विद्यमाना गतिः येषामन्यत्रापि सुखावहा ।  
ते न पश्यन्ति विद्वांसो देहभङ्गंकुलक्षयम् ॥

अन्वयः - येषां ..... अन्यत्र...अपि विद्यमाना ..... सुखावहा.....गतिः, ते विद्वांसः .....  
देहभङ्गं ....कुलक्षयं न ..... पश्यन्ति..... ।

मञ्जूषा -

अन्यत्र, कर्तव्यम्, सुखावहा, बलिन, देहभङ्गं, अन्या, आश्रितव्यः, पश्यन्ति

14. अधोलिखितानां 'अ' स्तम्भस्य विशेषणानां 'आ' स्तम्भस्य विशेष्यैः सह सार्थकमेलनं कुरुत । (4)

(अ)

क. दृढः

ख. रोचकम्

ग. विशालकाया

घ. नीलवर्णा

(आ)

iii. सङ्कल्पः

iv. यात्रावृत्तम्

ii. मूर्ति

i. भूमि

15. कोष्ठकात् शुद्धम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

- i. पूर्वस्याम्
- ii. द्वादशभागेषु
- iii. सूर्यः
- iv. जडचेतनानाम्

खण्ड : घ (SECTION - D)

भाग 2 (PART II)

सामान्यः संस्कृतसाहित्यपरिचयः

सामान्य संस्कृत साहित्य का परिचय

General introduction to Sanskrit Literature

16. कविपरिचयः (5)

विषयवस्तु 3 अङ्काः

वर्तनी/व्याकरणात्मकशुद्धिः

2 अङ्काः

अथवा

अधोलिखितेषु मञ्चापदसहायतया रिक्तस्थानानि पूर्यित्वा पुनः लिखत ।

$\frac{1}{2} * 10 = 5$

1. ... कथा... आख्यायिका च गद्यकाव्यस्य प्रमुखं भेदद्वयम् ।
2. पंचसन्धिसमन्वितं .....नाटकं... भवति ।
3. प्रकरणम्...रूपकस्य ... एकः भेदः अस्ति ।
4. महाभारते .....अष्टादशा (18)....पर्वाणिसन्ति ।
5. गद्यपद्यमयीरचना .....चम्पू..... इति कथ्यते ।
6. सर्वप्रथमः त्वक्प्रत्यारोपकः .....सुश्रुतः.....अस्ति ।
7. ईशोपनिषद् ...शुङ्खयजुर्वेदस्य .... चत्वारिंशत्तमः अध्यायः अस्ति ।
8. मुद्राराक्षसे ... विदूषकस्य... अभावः वर्तते ।
9. बुद्धचरितस्यरचयिता ... अश्वघोष... अस्ति ।
- 10.पद्यकाव्यभेदद्वयम्अस्तिमहाकाव्यं ... खण्डकाव्यम्..... च ।
17. संस्कृतनाटकस्यमुख्यपञ्चविशेषतानांउल्लेखंकुरुत ।

5

विषयवस्तु

3 अङ्काः

वर्तनी/व्याकरणात्मकशुद्धिः

2 अङ्काः